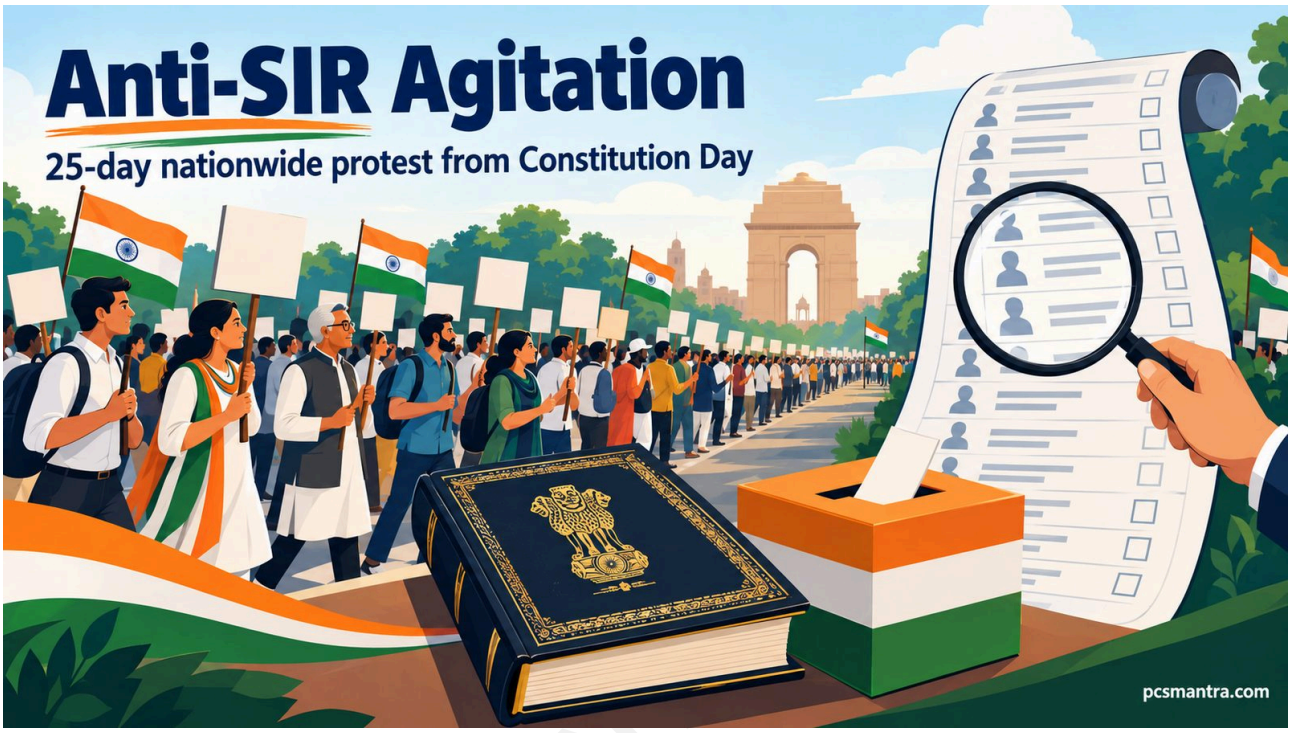
संविधान दिवस से सड़क तक: SIR विरोध में 25 दिन का आंदोलन

प्रकाशित: 13 नवंबर 2026 · pcsmantra.com



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

मतदाता सूची के **विशेष गहन पुनरीक्षण** (SIR) के विरोध में सामाजिक संगठनों के मंच **'पीपल अगेंस्ट एसआईआर'** (People Against SIR) ने **26 नवंबर 2026**, यानी **संविधान दिवस** से **20 दिसंबर 2026** तक राष्ट्रव्यापी सामूहिक आंदोलन की घोषणा की है। कार्यक्रमों में जन-प्रदर्शन, मतदाता सूची का स्वतंत्र ऑडिट, धरने और **'पीपल्स पार्लियामेंट'** शामिल हैं। मंच की मांगें हैं — SIR पूरी तरह रद्द किया जाए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) को हटाया जाए। मंच का कहना है कि निर्वाचन आयोग के अब तक के पीछे हटने वाले कदम (backtracking measures) अपर्याप्त हैं।

SIR क्या है और आयोग की संवैधानिक स्थिति

SIR यानी Special Intensive Revision भारतीय निर्वाचन आयोग का विशेष गहन मतदाता-सूची पुनरीक्षण अभियान है, जिसमें सूची में दर्ज हर मतदाता की पुनः जाँच और सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई जाती है। सामान्य संशोधन से इसमें यह अंतर है कि यह नियमित अद्यतन नहीं, बल्कि पूरी सूची का एक साथ गहन पुनरीक्षण है।

भारतीय निर्वाचन आयोग संविधान के **अनुच्छेद 324** के तहत गठित स्वायत्त संवैधानिक निकाय है, जिसके पास संसद और राज्य विधानमंडलों के चुनावों का आदेश-निर्देशन और नियंत्रण है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति अब **मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023** के तहत होती है। मतदाता सूची की शुद्धता आयोग का वैध दायित्व है, लेकिन किसी भी योग्य मतदाता का नाम कटना संविधान के **अनुच्छेद 326** के वयस्क मताधिकार के सिद्धांत से टकराता है — विवाद इसी तनाव पर है।

विवाद की पृष्ठभूमि

- **कर्नाटक का दावा:** मंच का दावा है कि कर्नाटक में **84 लाख मतदाता** सूची से गायब हुए हैं। यह आंकड़ा मंच का दावा है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं है।
- **पुरानी सूची की मांग:** INDIA **गठबंधन** ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए SIR से पहले की **2025** की मतदाता सूचियों के उपयोग की मांग रखी है।
- **राष्ट्रपति से अपील:** कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि SIR से तैयार सूची के आधार पर आगे चुनाव न कराए जाएँ।

इससे पहले भी SIR विरोध में रामलीला मैदान रैली और CEC के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन-महाभियोग' जैसे कदम हो चुके हैं — पढ़ें: SIR विरोध रैली और CEC का प्रतीकात्मक जन-महाभियोग

दोनों पक्षों के तर्क

मंच का तर्क: गहन पुनरीक्षण में दस्तावेज़-सत्यापन की प्रक्रिया गरीब, प्रवासी और वंचित मतदाताओं का बहिष्करण कर सकती है; जहाँ लाखों नाम गायब होने का दावा हो, वहाँ चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता ही संकट में आती है। इसलिए सुधार नहीं, पूरी प्रक्रिया रद्द होनी चाहिए और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

आयोग की स्थिति के पक्ष में सामान्य तर्क: मतदाता सूची की शुद्धता — डूबे हुए, स्थानांतरित और मृत मतदाताओं के नाम हटाना — आयोग का संवैधानिक दायित्व है, और समय-समय पर गहन पुनरीक्षण इसी का हिस्सा है। आयोग कुछ ढील और सुधार के कदम ले चुका है, जिन्हें मंच 'पीछे हटने वाले कदम' कहकर अपर्याप्त बताता है। आयोग की चुनावी तैयारियों में सेवानिवृत्त अधिकारियों की पुनर्नियोजित भूमिका पर भी बहस जारी है — पढ़ें: पुनर्नियोजित सेवानिवृत्त अधिकारी: चुनावी तटस्थता का दायरा

आगे की राह

- **पारदर्शी कटौती:** नाम कटने की सूची बूथ-स्तर पर पहले से सार्वजनिक हो और प्रभावित मतदाता को सूचना मिले।
- **आसान अपील:** नाम कटने पर ऑनलाइन और स्थानीय अपील की सरल, समयबद्ध प्रक्रिया।
- **स्वतंत्र ऑडिट:** सूची-शुद्धिकरण की विधि और परिणामों का स्वतंत्र सत्यापन विश्वास बढ़ा सकता है।
- **संवाद:** आंदोलन की **26 नवंबर** की शुरुआत संविधान दिवस से है — प्रतीकात्मक संदेश है कि मताधिकार संवैधानिक मूल्यों का सवाल है, इसलिए आयोग-समाज संवाद ही समाधान है।

परीक्षा के लिए महत्त्व

प्रिलिम्स में **अनुच्छेद 324**, **अनुच्छेद 326**, CEC और SIR जैसे पद-परिभाषाएँ पूछी जा सकती हैं; मुख्य परीक्षा में चुनावी सुधार, मतदाता-बहिष्करण और संवैधानिक निकायों की विश्वसनीयता पर प्रश्न संभव है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नलिखित दो कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: भारतीय निर्वाचन आयोग का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 324 में है

कथन-II: SIR का अर्थ Special Intensive Revision है, जो मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, कथन-II गलत है

(c) कथन-I गलत है, कथन-II सही है

(d) कथन-I और कथन-II दोनों गलत हैं

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (a)**
>
> कथन-I सही है: निर्वाचन आयोग अनुच्छेद 324 के तहत गठित संवैधानिक निकाय है।
>
> कथन-II सही है: SIR मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान है।

प्रश्न 2: 'पीपल अगेंस्ट एसआईआर' मंच ने अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन किस तिथि से शुरू करने की घोषणा की है?

(a) 20 दिसंबर 2026

(b) 26 नवंबर 2026

(c) 26 जनवरी 2027

(d) 15 नवंबर 2026

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (b)**
>
> आंदोलन 26 नवंबर 2026, संविधान दिवस से 20 दिसंबर 2026 तक घोषित है।

प्रश्न 3: 'पीपल अगेंस्ट एसआईआर' मंच के घोषित आंदोलन कार्यक्रमों में क्या-क्या शामिल है?

1. जन-प्रदर्शन

2. मतदाता सूची का स्वतंत्र ऑडिट

3. 'पीपल्स पार्लियामेंट'

उपर्युक्त में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (d)**

PCSMANTRA.COM